इज़रायल और फलिस्तीन के बीच युद्धविराम

प्रिलिम्स के लिये:

इज़रायल और फलिस्तीन का भूगोल, वर्ष 1948 का अरब इज़रायल युद्ध, अब्राहम समझौता, यरुशलम की अल-अक्सा मस्जिद

मेन्स के लिये:

इज़रायल-फलिस्तीन संघर्ष, 1948 का अरब-इज़रायल युद्ध, वर्ष 1967 में छह-दिवसीय युद्ध, अब्राहम समझौता

चर्चा में क्यों?

इज़रायल और फलिस्तीन के बीच तीन दिनों तक हिंसा, जिसके कारण दोनों देशों में दर्जनों लोगों की मृत्यु हो गई, के बाद हाल ही में युद्धविराम हो गया।

- इस वर्ष की शुरुआत में भी यरुशलम की अल-अक्सा मस्जिद में फलिस्तीनियों और इज़राली पुलिस के बीच तनाव बढ़ गया था।
- ये आवर्ती संघर्ष चल रहे **इज़रायल-फलिस्तीन संघर्ष** का ही हिस्सा हैं।

//

वर्तमान संघर्ष :

- **संघर्ष का कारण:**
  - इज़रायली वमिानों ने **गाजा** में ठकिानों (इस्लामकि जहिाद के नेताओं) को नशिाना बनाया।
    - जवाब में ईरान समर्थति फलिस्तीनी जहिाद आतंकवादी समूह ने इज़रायल पर सैकड़ों रॉकेट दागे।
    - इस्लामकि जहिाद में **हमास** की तुलना में कम लड़ाके और समर्थक हैं।
- **इज़रायली कार्रवाई:**
  - इज़रायल ने इस्लामकि जहिाद के एक नेता पर हमले के साथ अपना अभयिान शुरू कयिा और हमले की नीयत से एक अन्य दूसरे प्रमुख नेता पीछा कयिा।
- **गाजा की कार्रवाई:**
  - इज़रायली सेना के अनुसार गाजा में आतंकवादयिों ने इज़रायल की ओर लगभग 580 रॉकेट दागे।
  - इज़रायल ने उनमें से कई को रोक दयिा तथा दो को मार गरिाया गया जन्हिें यरूशलम की ओर दागा गया था।

- **यूएनएससी की बैठक:**
  - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने हिंसा को लेकर एक आपातकालीन बैठक निर्धारित की।
  - चीन जो कि अगस्त 2022 के लिये परिषद की अध्यक्षता करेगा, ने संयुक्त अरब अमीरात के अनुरोध के जवाब में सत्र निर्धारित किया, यह परिषद में अरब देशों का प्रतिनिधित्व करता है, साथ ही इसमें चीन, फ्राँस, आयरलैंड और नॉर्वे भी शामिल होंगे।

इज़रायल और फिलिस्तीन के बीच विवाद:

- **यरुशलम पर विवाद:**
  - यरुशलम इज़रायल-फिलिस्तीन संघर्ष के केंद्र में रहा है।
  - वर्ष 1947 की संयुक्त राष्ट्र (UN) मूल विभाजन योजना के अनुसार, यरूसलम को एक अंतर्राष्ट्रीय शहर के रूप में प्रस्तावित किया गया था।
    - हालाँकि **वर्ष 1948 के** प्रथम अरब इज़रायल युद्ध में इज़रायलियों ने शहर के आधे पश्चिमी हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया और प्राचीन शहर सहित पूर्वी भाग, जहाँ **हरम अल-शरीफ** अवस्थित है, पर जॉर्डन ने कब्ज़ा कर लिया।
  - वर्ष 1967 में छह-दिवसीय युद्ध के बाद इज़रायल और अरब राज्यों के गठबंधन के बीच एक सशस्त्र संघर्ष हुआ जिसमें मुख्य रूप से जॉर्डन, सीरिया और मिस्र शामिल थे, जॉर्डन का वक्फ मंत्रालय, जो तब तक **अल-अक्सा मस्जिद** पर नियंत्रण रखता था, ने इस मस्जिद की देखरेख करना बंद कर दिया।
    - इज़रायल ने **वर्ष 1967 के छह-दिवसीय युद्ध** में जॉर्डन के नियंत्रण वाले पूर्वी यरूशलम पर कब्ज़ा कर उसका विलय कर लिया।
  - विलय के बाद से इज़रायल ने **पूर्वी यरूशलम में बस्तियों का विस्तार किया।**
    - इज़रायल पूरे शहर को अपनी **"एकीकृत, शाश्वत राजधानी"** के रूप में देखता है, जबकि फिलिस्तीनी नेतृत्व ने यह सुनिश्चित किया है कि वह भविष्य के फिलिस्तीनी राज्य के लिये किसी भी समझौते को तब तक स्वीकार नहीं करेगा जब तक कि पूर्वी यरूशलम को उसकी राजधानी के रूप में मान्यता प्रदान नहीं कर दी जाती है।
- **हालिया गतिविधि:**
  - अल-अक्सा मस्जिद और शेख जर्राह:
    - मई 2021 में इज़रायली सशस्त्र बलों ने यरूशलम में ज़ायोनी राष्ट्रवादियों द्वारा वर्ष 1967 में शहर के पूर्वी हिस्से पर इज़रायल के कब्ज़े को स्मरण करते हुए निकाले जाने वाले मार्च से पहले यरूशलम के हरम अल-शरीफ में अल-अक्सा मस्जिद पर हमला किया था।
    - शेख जर्राह द्वारा पूर्वी यरूशलम में दर्जनों फिलिस्तीनी परिवारों को बेदखल करने की धमकी ने संकट को और बढ़ा दिया।
  - वेस्ट बैंक सेटलमेंट:
    - इज़रायल के सर्वोच्च न्यायालय ने कब्ज़े वाले वेस्ट बैंक के ग्रामीण हिस्से के 1,000 से अधिक फिलिस्तीनी **निवासियों को उस क्षेत्र में बेदखल करने के खिलाफ एक याचिका को खारिज कर दिया है जिसका चयन इज़रायल** ने सैन्य अभ्यास के लिये किया है।
      - इस निर्णय ने हेब्रोन के पास एक चट्टानी, शुष्क क्षेत्र में आठ छोटे गाँवों को ध्वस्त करने का मार्ग प्रशस्त किया, जिन्हें फिलिस्तीनियों द्वारा मासाफर यट्टा और इज़रायलियों को दक्षिण हेब्रोन हिल्स के रूप में जाना जाता है।
- **संकट पर भारत का रुख:**
  - भारत हाल के वर्षों में इज़रायल और फिलिस्तीन के मध्य संबंधों को बनाए रखने के लिये एक डी-हाईफेनेशन नीति का पालन कर रहा है।
    - दुनिया में सबसे लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष को लेकर भारत की नीति पहले चार दशकों के लिये स्पष्ट रूप से फिलिस्तीन समर्थक थी लेकिन इज़रायल के साथ तीन दशक से मैत्रीपूर्ण संबंधों के चलते फिलिस्तीन से संबंधों में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई है।
  - वर्ष 2017 में एक अभूतपूर्व कदम के तहत भारत के प्रधानमंत्री ने केवल इज़रायल का दौरा किया न कि फिलिस्तीन का।
    - प्रधानमंत्री की हाल की फिलिस्तीन (वर्ष 2018), ओमान और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा फिर से इसी तरह की नीति की निरंतरता है।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्षों के प्रश्न (PYQs):

प्रश्न: दक्षिण-पश्चिम एशिया का निम्नलिखित में से कौन सा देश भूमध्य सागर की तरफ नहीं खुलता है? (2015)

(a) सीरिया
(b) जॉर्डन
(c) लेबनान
(d) इज़रायल

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भूमध्य सागर तीन महाद्वीपों, यानी यूरोप, अफ्रीका और एशिया पर 21 देशों की सीमा में है, जिसमें स्पेन, फ्राँस, मोनाको, इटली, स्लोवेनिया, क्रोएशिया, बोस्निया, हर्जेगोविना, मोंटेनेग्रो, अल्बानिया, ग्रीस, तुर्की, सीरिया, लेबनान, इज़रायल, मिस्र, मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया,

लीबिया, माल्टा तथा साइप्रस शामिल हैं।
- जॉर्डन अपने दक्षिणी छोर को छोड़कर भूआबद्ध है, जहाँ अकाबा की खाड़ी के साथ लगभग 26 किलोमीटर की तटरेखा लाल सागर तक पहुँच प्रदान करती है।

अतः विकल्प (b) सही है।

प्रश्न. 'आवश्यकता से कम निकदी, अत्यधिक राजनीति ने यूनेस्को को जीवन रक्षण की स्थिति में पहुँचा दिया है।' अमेरिका द्वारा सदस्यता का परित्याग करने और सांस्कृतिक संस्था पर 'इज़रायल विरोधी पूर्वाग्रह' होने का दोषरोपण करने के प्रकाश में इस कथन की विवेचना कीजिये। **(मुख्य परीक्षा, 2019)**

प्रश्न. "इज़रायल के साथ भारत के संबंधों ने हाल ही में एक ऐसी गहराई और विविधिता हासिल की है, जिसकी पुनर्वापसी नहीं की जा सकती है।" विवेचना कीजिये। **(मुख्य परीक्षा, 2018)**

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ceasefire-between-israel-and-palestine